FA	2

राज्य स्तरीय आकलन

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : सातवीं **विषय :** हिंदी

Paper Code : 7011 **पूर्णांक :** 10

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड 'अ' **(अंक 05)**

LO – L-709 – सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं।

1. गतिविधि – बचपन की शरारत

गतिविधि :– शिक्षक सर्वप्रथम अपने बचपन की कुछ बातों या शरारतों को लिख कर छात्रों को पढ़ने के लिए देंगे।

निर्देशः–

1. शिक्षक पढ़ित अंश पर छात्रों से अभिव्यक्ति लेंगे।
2. शिक्षक बच्चों से उनकी कुछ जिद्द या शरारतों के बारे में पूछेंगे।
3. बच्चे अपने किसी बात पर की गई जिद्द या कोई शरारत के बारे में बताएँ।
4. सहपाठियों के अनुभव से अपने अनुभवों को बच्चे जोड़ेंगे।
5. बच्चे सहपाठियों से कुछ प्रश्न पूछेंगे।
6. बच्चे स्वयं के प्रति तर्क प्रस्तुत करेंगे।

कौशल :–

1. अभिव्यक्ति
2. तर्क करना
3. प्रतिक्रिया देना
4. मनन
5. चिंतन/कल्पनाशीलता

2. गतिविधि – संगठन में शक्ति

गतिविधि :– शिक्षक द्वारा बच्चों को समाचार–पत्र का कोई एक शीर्षक पढ़ने के लिए दिया जाएगा तथा उस पर परियोजना कार्य दिया जाये।

निर्देश :– 1. संगठन में शक्ति होती है इस पर आधारित समाचार/वीडियो/कहानी आदि दिखाया/सुनाया जाए।

2. बच्चों का समूह विभाजन करेंगे।

3. देखी या सुनी गयी सामग्री पर बच्चे चर्चा करेंगे।

4. दिये गये विषय पर परियोजना तैयार करेंगे।

5. परियोजना का प्रस्तुतिकरण कराया जाएगा।

6. सभी बच्चे समूह कार्य में सहभागिता देंगे।

कौशल : – 1. अभिव्यक्ति

2. मानवीय मूल्यों की समझ

3. लेखन कौशल का विकास

4. शब्द भंडार में वृद्धि

5. परियोजना कार्य की समझ

3. गतिविधि – बुद्धि का खेल

गतिविधि – शिक्षक के द्वारा बच्चों को साँप –सीढ़ी खेल, खेलने को देंगे।

निर्देश :– 1. बच्चों को चार–चार के समूह में बैठाएं।

2. खेल के नियम शिक्षक द्वारा बताया जाये।

3. शिक्षक प्रत्येक समूह में साँप–सीढ़ी देंगे।

4. खेल के दौरान शिक्षक बच्चों का अवलोकन करेंगे।

5. जिस बच्चे को खेल में साँप काटेगा उसे एक पर्ची दिया जाएगा जिस पर एक वाक्य लिखा होगा उस वाक्य पर उस बच्चे से विचार लिया जाएगा।

6. शिक्षक उस खेल के अलावा अन्य कोई तार्किक खेल सुझा सकते है।

7. शिक्षक छात्रों को खेल, खेलने के तरीके व खेल भावना से संबंधित सुझाव देंगे।

8. शिक्षक छात्रों से उनकी मनपंसद खेलों की सूची बनाने को कहेंगे।

9. ग्रामीण एवं शहरी खेलों की पृथक–पृथक सूची बनाने को कहेंगे।

कौशल :– 1. खेल भावना का विकास

2. तर्कशक्ति

3. चिंतन

4. खेलों की जानकारी

5. कल्पना शीलता का विकास

खण्ड – ब (अंक 05)

LO–L-720– विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य–रचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों विराम–चिह्नों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों (जैसे– काल, क्रिया विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

1. गतिविधि – मुहावरा एवं लोकोक्ति की समझ।

गतिविधि – अपनी बातों को मुहावरा एवं लोकोक्ति के माध्यम से रखना।

निर्देश– 1. शिक्षक छात्रों से अपनी बातें सीधे तरीके से साझा करने के बजाय मुहावरों/लोकोक्तियों के माध्यम से शुरूआत करेंगे।

2. शिक्षक अपने द्वारा कही गई बातों में से मुहावरों/लोकोक्तियों को छात्रों से पहचानने को कहेंगे।

3. शिक्षक मुहावरों व लोकोक्तियों के महत्व की चर्चा करेंगे।

4. शिक्षक छात्रों से उनके घर या आसपास सुनी हुई लोकोक्तियों या मुहावरों की सूची बनवायेंगे।

5. शिक्षक सभी छात्रों से लोकोक्तियों या मुहावरों का अर्थ लिखने को कहेंगे।

6. लोकाक्तियों व मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करवायेंगे।

कौशल – 1. लेखन कौशल का विकास

2. चिंतन कौशल

3. शब्द भंडार में वृद्धि

4. तर्कशक्ति

5. कल्पना शीलता

2. गतिविधि – विराम चिन्हों की पहचान व समझ।

गतिविधि – शिक्षक छात्रों को समूह में बाँटकर सामग्री पढ़ने देंगे व विराम चिन्हों पर चर्चा करेंगे।

निर्देश – 1. शिक्षक छात्रों से संदर्भ सामग्री से विराम चिन्हों को पहचानने के लिए कहेंगे।

2. शिक्षक छात्र द्वारा पहचाने गये चिन्हों को दूसरे छात्र से श्यामपट्ट पर लिखने के लिए कहेंगे।

3. शिक्षक विराम चिन्हों के प्रयोग का (नकारात्मक व सकारात्मक) प्रभाव छात्रों से पूछेंगे।

4. शिक्षक छात्रों को विराम चिन्ह युक्त पाठ्यवस्तु देंगे। उसे बारी–बारी से पढ़ने को कहेंगे। पठन के दौरान विराम चिह्नों से वाक्य के अर्थ कैसे बदल जाते हैं इस पर छात्रों से चर्चा विचार प्रस्तुत करने को कहेंगे।

जैसे –

रोको मत, जाने दो।
रोको, मत, जाने दो।

कौशल – 1. लेखन कौशल

2. व्याकरणीय समझ

3. वाक्य निर्माण

3. गतिविधि – संबंधों की समझ

गतिविधि – शिक्षक मित्रता के महत्व से संबंधित कहानी लेख आदि को छात्रों से साझा करेंगे।

निर्देश– 1. शिक्षक आडियो/वीडियो/चलचित्र के माध्यम से (जैसे–श्रीराम–सुग्रीव, श्रीकृष्ण–सुदामा) या जो उन्हें याद हो वह कहानी कक्षा में सुनायेंगे।

2. शिक्षक आज के दौर की मित्रता व प्राचीन काल की मित्रता पर छात्रों से उनकी राय जानेंगे।
3. मित्र का हमारे जीवन में योगदान/या 'मित्र' विषय पर छात्रों से लेख/पत्र कहानी/श्लोगन से मुख्य बिंदु को श्यामपट्ट पर लिखने को कहेंगे व उस बिंदु पर चर्चा करेंगे।
4. शिक्षक छात्रों से उनके मित्रों के बारे में अभिव्यक्ति लेंगे।

कौशल – 1. मानवीय मूल्यों का विकास
2. संबंधो की समझ
3. तर्कशक्ति
4. कल्पनाशीलता
5. लेखन कौशल का विकास

●●●